• शिक्षण प्रतिमानों का वर्गीकरण

Classification of Teaching Model

1. दार्शनिक शिक्षण प्रतिमान (Philosophical teaching model)

शिक्षण की प्रकृति एवं विशेषताओं के आधार पर **इजराइल सेफलर** ने दार्शनिक शिक्षण प्रतिमान के अंतर्गत तीन प्रतिमान का वर्णन किया है। उनकी धारणा है कि शिक्षण में ज्ञानात्मक, मनोवैज्ञानिक तथा सार्वभौमिक तत्व शामिल होते हैं।

१. प्रभाव प्रतिमान (impression model)

२. सूझ प्रतिमान (insight model)

३. नियम प्रतिमान (rule model)

2. मनोवैज्ञानिक शिक्षण प्रतिमान (Psychological teaching model)

जॉन. पी. डिसिको (John. P. Dececco) ने चार मनोवैज्ञानिक शिक्षण प्रतिमान दिए।

१. बुनियादी शिक्षण प्रतिमान

२. अंत: क्रिया शिक्षण प्रतिमान

३. कंप्यूटर आधारित शिक्षण प्रतिमान

४. विद्यालय अधिगम शिक्षण प्रतिमान

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner

3. अध्यापक शिक्षा शिक्षण प्रतिमान (Teacher education teaching model)

ई. ई. हेडन ने 4 अध्यापक शिक्षा शिक्षण प्रतिमान और की चर्चा की जो शिक्षक शिक्षा की समस्याओं का समाधान करने में सहायक होते हैं।

१. टाबा शिक्षण प्रतिमान

२. टर्नर का शिक्षण प्रतिमान

३. शिक्षक अभिविन्यास शिक्षण प्रतिमान

४. फॉक्स लिपिट शिक्षण प्रतिमान

4. आधुनिक शिक्षण प्रतिमान (Modern teaching model)

शिक्षण प्रतिमान द्वारा प्राप्त किए जाने वाले शिक्षण उद्देश्यों को ध्यान में रखकर **ज्वाइस और वेल** ने अपनी पुस्तक **मॉडल ऑफ टीचिंग (Model of Teaching)** में शिक्षण प्रतिमानों को आधुनिक शिक्षण प्रतिमान शीर्षक के अंतर्गत 4 समूह में वर्गीकृत किया है। प्रत्येक समूह में उद्देश्यों की समानता के आधार पर प्रतिमानों को स्थान दिया गया है।

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner

1. सूचना प्रक्रम प्रतिमान (Information Processing Model)

व्यक्ति अपने वातावरण में विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त सूचनाएं ग्रहण करके अपने मस्तिष्क में संगठित करता है, फिर इन सूचनाओं का मस्तिष्क में विश्लेषण होता है और विश्लेषण के समय जिन योग्यता की जरूरत होती है उन्हें संज्ञानात्मक प्रक्रिया कहते हैं। इन योग्यता के कारण ही बालक सूचनाओं से दूर जाकर अमूर्त और उपयोगी ज्ञान का सर्जन कर पाता है। यही प्रक्रिया सूचना प्रक्रम कहलाती है। इस समूह में आने वाले प्रतिमान निम्न प्रकार है -

१. संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान (Concept Attainment)

प्रवर्तक - जे ब्रूनर

उद्देश्य - १. आगमन तर्क २. संकल्पना प्राप्ति ३. विश्लेषण क्षमता का विकास।

२. खोज प्रशिक्षण प्रतिमान (Inquiry Training Model)

प्रवर्तक - रिचर्ड सचमैन

उद्देश्य - १. खोज प्रक्रिया का प्रशिक्षण २. सिद्धांत निर्माण करने की क्षमता का विकास करना।

३. आगमन चिंतन प्रतिमान

प्रवर्तक - हिल्दा टाबा

उद्देश्य - १. आगमन तर्क एवं शैक्षिक तर्क का विकास करना।

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner